

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 107 ]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 2001/चैत्र 26, 1923

No. 107]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 2001/CHAITRA 26, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 2001

विषय: चीन तथा ताइवान से पैरासीटामोल के आयातों के संबंध में पाटन-रोधी जांच प्रारम्भिक  
निष्कर्ष

60/1/2000-डीजीएडी.— सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित  
वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क, कर्ष आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण)  
नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. कार्य-पद्धति

1. जांच के लिए निम्नलिखित कार्य-पद्धति अपनाई गई है:-

( i ) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त  
नियमावली के अधीन मैसर्स ट्रिटोन लैबोरेट्रीज लिमि०, हैदराबाद, मै० वामसी लैब्स लि०, सोलापुर,  
मै० श्रीनियास एग्रो इंडस्ट्रीज एंड ड्रग्स लि० विजयवाड़ा और मै० श्री कृष्णा फार्मास्यूटीकल लि०,

हैदराबाद से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसमें चीन तथा ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए पैरासीटामोल के पाटन का आरोप लगाया गया है।

( ii ) याचिका की आरंभिक जांच के कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद में ठीक कर दिया गया था। इसके बाद याचिका को उचित रूप से प्रलेखित दस्तावेज माना गया है।

( iii ) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने चीन तथा ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरासीटामोल के पाटन की जांच आरंभ करने का निर्णय किया। प्राधिकारी ने नियम के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना सम्बद्ध देशों के वृतावासों को दी।

(iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2922.2914 के अंतर्गत वर्गीकृत चीन तथा ताइवान के मूल के या वहां से निर्यातित पैरासीटामोल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए तारीख 30 जनवरी, 2001 की एक सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघों को भेजी, और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

(vi) प्राधिकारी ने पैरासीटामोल के ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भी सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने को कहा।

(vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से पैरासीटामोल के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था।

(viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार अगोपनीय याचिका की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों को उपलब्ध कराईं।

(ix) प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार चीन तथा ताइवान में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी :—

### चीन

- वेनजोउ फार्मास्यूटीकल फैक्टरी,

कमरा नं० 504, 5/एफ कांगले बिल्डिंग,

सं० 112 एमएआंची रोड (पश्चिम),

झेजियांग प्रोविन्स

- हुजोऊ बीगैंग इंटरप्राइसेज ग्रुप कार्पो०  
चौथा तल, वूक्सी बिल्डिंग, साउथ स्ट्रीट  
हुजोऊ, जीजियांग
- वूक्सी झोंग फार्मा  
150, टोंग हुई रोड (वेस्ट)  
वूबन्सी, जीआंगसू प्रोविन्स
- वीफेंग नं० 4 फार्मास्यूटीकल फैक्टरी,  
जियोधेया, एन्कीओ सिटि,  
शैंडोंग प्रोविन्स
- अन्हुई हुईनान नं० 3 फार्म,  
टियांगटोंग रोड, तिआनजिआन  
जिला हुनान, अन्हुई प्रोविन्स
- यांगशु हुआगैंग,  
यालूजी, साउथ, चांगशु सिटि  
जिआंगशु प्रोविन्स

#### ताइवान

- लॉग लवांग कैमिकल कंपनी लि०  
पी.ओ. बॉक्स 1494,  
काओसिअंग
- जॉइंट यूनियन इंटरप्राइसेज कंपनी लि०,  
201-28, तुन हवा नार्थ रोड  
ताइपेई 10591

निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया ।

चीन के दूतावास और ताइपेई इकनामिक एंड कल्चरल सेंटर को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ होने की सूचना दे दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था ।

निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति, भी निर्यातकों के नाम और पते के साथ उनको भेजी गयी थी ।

( xi ) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए पैरासीटामोल के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को एक प्रश्नावली भेजी गयी थी:-

- मै० बाफरा फार्मास्यूटीकल्स,  
चेन्नई
- मै० फोर्टस (इंडिया) लैब्स प्रा०  
कैलम्बकम्,  
तमिलनाडु
- मै० मेडो फार्मा  
चेन्नई
- मै० बाल फार्मा लि०  
बंगलौर
- मै० बंगलौर फार्मास्यूटीकल्स एंड रिसर्च  
बंगलौर
- मै० इरोज फार्मा० लि०  
बंगलौर
- मै० कैमवेल लि०  
बंगलौर
- मै० केरल स्टेट ड्रग्स एंड फार्मास्यूटीकल्स लि०  
कलावूर, एलापुझा
- मै० मैडरिच स्ट्रैरी लैब लि०  
बंगलौर
- मै० माइक्रो लैब्स लि०  
होसूर
- मै० स्मिथक्लाइन बीकैम फार्मास्यूटीकल्स लि०  
मैसूर

- मै0 ब्यूरप्स वैलकम (इंडिया) लि0  
मुम्बई
- मै0 कॉनसेप्ट फार्मास्यूटीकल्स लि0  
औरंगाबाद
- मै0 निकोलस पीरमल इंडिया लि0  
धार जिला
- मै0 पैट्रो सोल्व इंडिया लि0  
मुम्बई
- मै0 शालीना लैबोरेट्रीज (प्रा0)लि0  
मुम्बई
- मै0 ट्रिडोस लैब लि0  
ननीधामन
- मै0 वोक्हार्ट लि0  
मुम्बई
- मै0 पी एंड जी हाइजिन एंड एच.सी.लि0  
मुम्बई
- मै0 एस.जी. फार्मास्यूटीकल्स  
बड़ौदा
- मै0 विंग्स फार्मास्यूटिकल्स (प्रा0)लि0  
दिल्ली

आयातकों/प्रयोक्ता उद्योग द्वारा कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई थी।

(xi) प्राधिकारी ने, सार्वजनिक फाइल के रूप में, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा;

(xii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में विषयगत माल की इष्टतम उत्पादन लागत तथा माल के बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच भी की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाना घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

(xiii) \*\*\*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा माने जाने का द्योतक है ;

(xiv) जांच 1 अप्रैल, 1999 से 30 सितम्बर, 2000 (18 महीने) की अवधि के लिए की गई थी।

### ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में और बाद में अनुरोधों में निम्नलिखित मुख्य मुद्दे उठाए हैं:

i) पैरासीटामोल एक गंधरहित सफेद क्रिस्टलाइन पाउडर है। इसका रासायनिक सूत्र सी8 एच 9 एन ओ2 है। पैरासीटामोल एन्लजेसिक तथा एंटीपाइरेटिक लक्षण दर्शाने वाला एक बल्क औषधीय सक्रिय संघटक है। यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उप-शीर्ष 2922.2914 के तहत वर्गीकृत है।

ii) पैरासीटामोल का उत्पादन दो उत्पादन प्रक्रियाओं - एसेटिक एनहाइड्राइड का एसेटाइलेशन एजेंट के रूप में इस्तेमाल करते हुए पैरामिनोफिनोल के एसीटाइलेशन के द्वारा तथा हाइड्रोक्सी-4 एसीटोफीनोन ओक्साइम में "बैकमैन ट्रांसपोर्टेशन" का इस्तेमाल करते हुए किया जा सकता है। चीन तथा ताइवान में निर्यातक और भारतीय उत्पादनकर्ता इस उत्पाद का उत्पादन पहली प्रक्रिया अर्थात् पी ए पी के एसीटाइलेशन के द्वारा कर रहे हैं।

iii) चीन जनवादी गणराज्य और ताइवान में उत्पादक - निर्यातक काफी समय से भारत को पैरासीटामोल का निर्यात कर रहे हैं। तथापि, हाल में पाटन में वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से निर्यात कीमत लगातार घट रही हैं। द्वितीयक स्रोतों से एकत्रित सूचना यह दर्शाती है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए नियत सीमाशुल्क उप-शीर्षों से भिन्न कई अन्य सीमाशुल्क उपशीर्षों के अंतर्गत पैरासीटामोल का आयात किए जाने की सूचना मिल रही है।

iv) देश में पैरासीटामोल के 40-45 से अधिक उत्पादक थे। तथापि, कई उत्पादकों ने अपना उत्पादन स्थगित कर दिया है अथवा पैरासीटामोल से संबंधित अपनी कार्रवाइयां पूरी तरह से बंद कर दी हैं। चारों याचिकाकर्ताओं का संचयी उत्पादन देश में पैरासीटामोल के उत्पादन का एक प्रमुख भाग का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, याचिकाकर्ता नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

v) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पैरासीटामोल तथा चीन एवं ताइवान से निर्यातित पैरासीटामोल में ऐसा कोई अधिक ज्ञात अंतर नहीं है जिसका कीमत पर प्रभाव पड़ सकता हो। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित पैरासीटामोल भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, आवंटन तथा विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के रूप में तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं ने इनका अदल-बदल कर उपयोग किया है।

vi) कुछेक याचिकाकर्ता कई देशों को पैरासीटामोल का निर्यात कर रहे हैं। मै0 श्रीनिवासा ने 99-00 में यू के तथा यमन को निर्यात किया है। (कीमत क्रमशः \*\*\* रु0/कि0ग्रा0 और \*\*\* रु0/कि0ग्रा0) श्री कृष्णा ने मैक्सिको (98-99) तथा यू के (99-00) को निर्यात किया है। (कीमत क्रमशः \*\*\* रु0/कि0ग्रा0 तथा \*\*\* रुपए/कि0ग्रा0)।

ग. आयातकों, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

### 3. आयातकों के विचार

संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक/उपभोक्ता ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

### 4. निर्यातकों के विचार

(क) चीन

चीन से निर्यातकों ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अनुरोध पर चीन के औषधि एवं स्वास्थ्य उत्पाद आयातक एवं निर्यातक वाणिज्य मंडल, 8एफ, 12 पंजीआयुआन नानली, बीजिंग-100021 को निर्यातकों को प्रश्नावली तथा अगोपनीय अंश की प्रति भेजी गई थी। तथापि प्राधिकारी को कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

(ख) ताईवान

1. ज्वाइंट यूनियन एंटरप्राइज कं0 लि0, ताईपेई ने प्राधिकारी को लिखे एक पत्र में यह उल्लेख किया कि ज्वाइंट यूनियन ने 1 अप्रैल 1999 से 30 सितम्बर, 2000 के दौरान भारत को पैरासीटामोल का निर्यात नहीं किया है। उन्होंने कंपनी का नाम काटने का अनुरोध किया है।

### 2. लॉग हवांग कैमिकल कं0 लि0, ताईवान

इस निर्यातक ने उल्लेख किया है कि लॉग हवांग ने 1999-2000 में भारत को इस वस्तु का निर्यात नहीं किया है। उन्होंने पाटनरोधी जांचों से कंपनी का नाम हटाने का अनुरोध किया है।

घ. उठाए गए मुद्दे की जांच

5. याचिकाकर्ता और आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों की उस सीमा तक जांच की गई है और आगे समुचित स्थानों पर उन पर विचार किया गया है, जहां तक वे नियमों के तहत संगत हैं और मामले पर प्रभाव डालते हैं।

### ड. विचाराधीन उत्पाद

6 पैरासीटामोल एक गंधरहित क्रिस्टलाईन पाउडर है। इसका रासायनिक सूत्र  $C_{17}H_{19}NO_2$  है। पैरासीटामोल एनलजेसिक और एंटीपाइरेटिक लक्षणों को दर्शाने वाला एक बल्क औषधीय सक्रिय संघटक है। इसका पाउडर, दानेदार, इंजेक्टिबल तथा गोलियों के रूप में कई आर एक्स तथा ओटीसी औषध विनिर्माणों में उपयोग किया जाता है। पैरासीटामोल एक कर्बनिक रसायन है और यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2922.2914 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

### च. समान वस्तुएं

यह स्थापित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पैरासीटामोल चीन तथा ताईवान से निर्यातित पैरासीटामोल के समान वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विनिर्देशनों, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है।

प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि ऐसा कोई तर्क नहीं है जिससे इस बात पर विवाद उत्पन्न होता हो कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पैरासीटामोल के लक्षण आयातित सामग्री के साथ मिलते जुलते हैं और यह वाणिज्यिक एवं तकनीकी दोनों रूपों में संबद्ध देश से आयातित पैरासीटामोल के साथ प्रतिस्थापनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पैरासीटामोल को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर चीन तथा ताईवान से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है।

### छ. घरेलू उद्योग

चीन तथा ताईवान मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरासीटामोल के पाटन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की गई है।

याचिकाकर्ता द्वारा पैरासीटामोल का किया गया उत्पादन निम्नानुसार रहा है:-

	1997-98	1998-99	1999-2000	जांच की अवधि
याचिकाकर्ता	55,79,642	61,50,329	66,89,579	100,39,757
अन्य उत्पादक	26,25,560	34,20,165	42,79,073	58,72,775
कुल भारतीय उत्पादन	82,05,202	95,70,494	109,68,652	159,12,532



याचिकाकर्ताओं ने जांच अवधि में कुल उत्पादन के 63.09% का उत्पादन किया है। अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता "घरेलू उद्योग" है और वह नियमों के भीतर वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में है।

ज. पाटन

7. प्राधिकारी ने धारा 9 क(1)के अनुसरण में संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी। तथापि, निर्यातकों ने मांगी गई सूचना का उत्तर नहीं दिया। अतः निर्यातकों द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में कोई दावा नहीं किया गया है। अतः प्राधिकारी को क्रमशः सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में परिकलित कीमत तथा सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर निर्भर रहना पड़ा है।

झ. परिकलित मूल्य तथा प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की जांच

( i ) सामान्य मूल्य

8. प्राधिकारी यह पाते हैं कि चीन तथा ताईवान से निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के संबंध में सूचना प्रस्तुत नहीं की है। अतः प्राधिकारी निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आगे कार्रवाई करते हैं।

याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि चीन तथा ताईवान में सामान्य मूल्य पैरासीटामोल की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर स्वीकार किया जाए। इस स्थिति में प्राधिकारी को विनिर्मित लागत का निर्धारण करने पर मजबूर होना पड़ा है।

अतः जांच अवधि में 1 अमरीकी डालर = 43.70 रु० की औसत विनिमय दर पर चीन तथा ताईवान में सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डालर/कि०ग्रा० अथवा \*\*\* रु०/कि०ग्रा० माना गया है।

( ii ) निर्यात कीमत

9. प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार चीन के लिए \*\*\* रु०/कि०ग्रा० तथा ताईवान के लिए \*\*\* रु०/कि०ग्रा० सी आई एफ कीमत निर्धारित की गई है। 0.05 अमरीकी डालर/कि०ग्रा० समुद्री भाड़ा (याचिकाकर्ता की सूचना के आधार पर), 0.5 % समुद्री बीमा प्रभार, निर्यातक देश में एजेंट के लिए @3% कमीशन, स्वदेशी परिवहन हेतु 2 % तथा भारतीय

अनुभव के अनुसार पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के लिए 2 % लेते हुए कारखाना द्वारा पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। तथापि, दस्तावेजी साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार भारतीय इंडेंटिंग एजेंट के लिए @3% कमीशन की अनुमति नहीं दी है। इस आधार पर समायोजनों के पश्चात 1 अमरीकी डालर = 43.70 रुपए की औसत विनिमय दर से कारखाना द्वारा पर एफ ओ बी निर्यात कीमत चीन के लिए \*\*\* रु0/कि0ग्रा0 अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 तथा ताईवान के लिए \*\*\* रु0/कि0ग्रा0 अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 होने का अनुमान है।

### ( iii ) पाटन मार्जिन

#### 10. चीन

\*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 परिकलित सामान्य मूल्य और \*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 कारखाना द्वारा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 (जो कि निर्यात कीमत का 43.3 % है) बनता है।

#### ताईवान

\*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 परिकलित सामान्य मूल्य और \*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 कारखाना द्वारा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन \*\*\* अमरीकी डालर/कि0ग्रा0 (जो कि निर्यात कीमत का 50.3 % है) बनता है।

#### ज. क्षति

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन तथा संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा उपरोक्त नियम 11 में निर्धारित सीमा से अधिक है।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के अनुबंध II ( iv ) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।

## (क) आयातों की मात्रा

					मात्रा (कि.ग्रा.)
देश	1997-98 (डीजीसीआई एंड एस के अनुसार)	1998-99 (डीजीसीआई एंड एस के अनुसार)	1999-2000 (डीजीसी आई एंड एस के अनुसार)	अप्रैल-सित. '00 (रासायनिक आसूचना के अनुसार)	अप्रैल '99 (सित. 2001 18 माह)
कुल आयात	887,958	11,61,630	11,68,071	6,56,230 (13,12,460 वार्षिक)	18,24,301
चीन	631,943	9,11,390	7,81,914	5,80,130 (वार्षिक 11,60,260)	13,62,044
ताइवान	24,559	—	84,300	—	84,300

वर्ष 1997-98 की तुलना में 1998-99 में पैरासीटामोल के कुल आयातों में हुई वृद्धि 30.8% थी। आयातों में 1998-99 की तुलना में 1999-2000 में मामूली वृद्धि हुई तथा 1999-2000 की तुलना में अप्रैल-सित. '00 (वार्षिक) में 12.36% की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। वर्ष 1997-98 की तुलना में 1998-99 में चीन से हुए आयातों की मात्रा में 23.7% की वृद्धि हुई। 1998-99 में हुए आयात मुख्यतः चीन से हुए थे। 1999-2000 की तुलना में अप्रैल-सित. 2000 (वार्षिक) में आयातों में 48.3% की अत्यधिक वृद्धि हुई। कुल आयातों में चीन का हिस्सा 1997-98, 1998-99, 1999-2000 तथा जांच अवधि में क्रमशः 71%, 78.4%, 66.9%, 88.4% तथा 74.66% था।

वर्ष 1997-98 की तुलना में 1999-2000 में ताइवान से आयातों में 243% की वृद्धि हुई। वर्ष 1997-98, 1999-2000 तथा जांच अवधि में कुल आयातों में ताइवान का हिस्सा क्रमशः 2.7%, 7.2% तथा 4.6% था।

ख. उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

याचिकाकर्ता की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन तथा क्षमता उपयोग निम्नानुसार था:-

याचिकाकर्ता	1997-98	1998-99	1999-2000	जांच अवधि (18 माह)
स्थापित क्षमता (एमटी)	92,00,000	104,00,000	104,00,000	156,00,000
उत्पादन (एमटी)	55,79,642	61,50,329	66,89,579	100,39,757 (वार्षिक 66,93,171)
क्षमता उपयोग%	60.65	59.14	64.32	64.35

(ग) बिक्री और बाजार हिस्सा

	1997-98	1998-99	1999-2000	जांच अवधि
याचिकाकर्ता की बिक्रियां(कि.ग्रा.)	55,68,952	62,29,140	66,49,438	98,53,747
बिक्री(अन्य उत्पादकों की)	25,15,260	33,63,630	47,29,896	62,20,846
मांग	89,72,170	107,54,400	125,47,405	160,74,593
आयातों का हिस्सा%	9.8	10.8	9.3	11.3
पाटित आयातों का हिस्सा%	7.3	8.4	6.9	8.9
याचिकाकर्ता का हिस्सा%	62.06	57.9	52.9	61.3
उत्पादन मात्रा का हिस्सा%	62.18	57.18	53.31	62.4

यह देखा गया है कि कुल और पाटित आयातों की वास्तविक रूप से वृद्धि हुई है। भारत में उत्पादन और खपत के रूप में संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में भी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के हिस्से में मांग के साथ साथ उनकी उत्पादन मात्रा की तुलना में भी गिरावट आई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां मांग में 19.4% तक की वृद्धि हुई है वही घरेलू उद्योग के उत्पादन में 19.95% तक की वृद्धि हुई है, जो यह प्रदर्शित करता है कि घरेलू उद्योग मांग को पूरा कर सकता है। तथापि, संबद्ध देशों से पाटित आयातों में 47% की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 17.96% की वृद्धि हुई है, जो यह प्रदर्शित करता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि के कारण अपनी बिक्रियों में वृद्धि नहीं कर सका।

(घ) कीमत में कटौती और कीमत ह्रास

रूपए/किग्रा.

वर्ष	बिक्री प्राप्ति	आयातों की पहुंच कीमत		
		चीन	ताइवान	अन्य
1997-98	***	158.7	154.4	161.46

1998-99	***	170.3	---	175.8
1999-2000	***	143.62	138.7	163
जांच अवधि	***	141.6	138.8	165.23

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि निर्यातक निरंतर कीमतें कम करते रहे हैं जिनमें वर्ष 1999-2000 और जांच अवधि में अत्यधिक कमी की गई थी। पहुंच कीमतों में भी जनवरी-फरवरी और अप्रैल-मई, 2000 के दौरान काफी अंतर रहा है जो 98.63 रूपए प्रति किग्रा और 130.8 रूपए प्रति किग्रा के बीच रही हैं। घरेलू उद्योग को बाजार में न्यूनतम आयात कीमतों की प्रतिक्रिया स्वरूप अपनी बिक्री कीमतें लगातार कम करने के लिए बाध्य किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि निर्यातक काफी उच्च क्रेडिट पर सामग्री की पेशकश कर रहे हैं जिससे घरेलू उद्योग अपनी कीमते आगे और कम करने के लिए बाध्य हुआ है जिसके कारण उसका बाजार हिस्सा कम होता रहा।

#### (ड.) लाभप्रदता

घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमते अपनी उत्पादन लागत से कम रखने के लिए बाध्य किया गया है जिसके कारण भारी वित्तीय घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है जैसा कि घरेलू बाजार में हुई बिक्रियों से उद्योग को हुए प्रतियूनिट लाभ/हानि से स्पष्ट होता है। कुछ कंपनियां लाभ की स्थिति से हानि की स्थिति में जाने के लिए बाध्य हुई हैं।

याचिकाकर्ता	1997-98	1998-99	1999-2000	जांच अवधि
ट्रिटोन				
सी ओ पी (उत्पादन लागत)	---	---	---	---
बिक्री कीमत	---	---	---	---
पी/एल (लाभ/हानि)	---	0.84	5.41	(14.22)

श्रीनिवासा एगो				
सी ओ पी (उत्पादन लागत)	---	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
पी/एल (लाभ/ हानि)	---	(12.79)	(23.84)	(22.17)
वामसी लैबस				
सी ओ पी (उत्पादन लागत)	---	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
पी/एल (लाभ/हानि)	---	(5.27)	2.38	1.82
श्री कृष्णा				
सी ओ पी (उत्पादन लागत)	---	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
पी/एल (लाभ/ हानि)	---	15.67	3.55	2.13

#### ट. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

11. उपरोक्त को देखते हुए यह पाया गया है कि:-

(क) संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में समग्ररूप से और भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि हुई है;

(ख) याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

(ग) याचिकाकर्ता अपनी उचित बिक्री कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुए हैं जिसके कारण घाटा हुआ है;

(घ) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है।

ठ. कारणात्मक संबंध

12. प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उन संबद्ध देशों, जो कि भारत को पैरासिटामोल के प्रमुख निर्यातक हैं, से हुए आयातों के कारण हुई है। चीन तथा ताइवान से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों में 47% तक की वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 17.96% तक की वृद्धि हुई है जिससे यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि होने की वजह से अपनी बिक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा है। इस प्रकार घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव पड़ा है। कीमत संबंधी प्रभाव की जांच करने में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों की आयात कीमतों से घरेलू उद्योग को अपनी क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य करते हुए उसने घरेलू उत्पाद की कीमत में कटौती की है, जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग उसे प्राप्त करने में असमर्थ रहा। अतः घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई थी।

(ड) भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

13. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जोकि देश के सामान्य हित में है।

14. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित

कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेगा और पैरासिटामोल के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

15. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए पैरासिटामोल की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया।

#### ६. पहुंच मूल्य

16. आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण पाटन सीमाशुल्क के प्रचलित स्तर और एक प्रतिशत उत्तराई प्रभार को जोड़ने के बाद से संबंधित उपरोक्त पैरा में दिए गए ब्यौरों के अनुसार पैरासिटामोल की निर्यात कीमत के आधार पर किया जाता है।

#### ७. निष्कर्ष

17. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात यह देखा गया है कि:

(क) चीन तथा ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरा 6 में उल्लिखित पैरासिटामोल का भारत को सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है जिसके कारण पाटन हुआ है;

(ख) घरेलू उद्योग को क्षति हुई है;

(ग) यह क्षति संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण हुई है।



18. पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का निर्णय लिया गया था जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष संख्या 2922.2914 के अंतर्गत आने वाले चीन तथा ताइवान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरासिटामोल पर, केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। पाटनरोधी शुल्क कालम 3 में उल्लिखित राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	राशि
1.	2.	3. (अमरीकी डालर/किग्रा)
चीन	सभी उत्पादक/निर्यातक	3.26
ताइवान	सभी उत्पादक/निर्यातक	3.26

19. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमा शुल्क शामिल होंगे।

#### थ. आगे की प्रक्रिया

20 प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो इस अधिसूचना के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी अपने विचार इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

- (ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेंगे ।  
(घ) प्राधिकारी अंतिम निष्कर्षों की घोषणा<sup>से</sup> पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे ।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES

### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 2001

**Subject:** Anti-Dumping investigations concerning imports of Paracetamol from China and Taiwan... Preliminary Findings.

**60/1/2000-DGAD.**— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules 1995, thereof:

#### A. PROCEDURE:

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:
  - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s Triton Laboratories Ltd., Hyderabad, M/s Vamsi Labs Ltd., Solapur, M/s Srinivasa Agro Industries & Drugs Ltd., Vijaywada and M/s Sri Krishna Pharmaceuticals Ltd., Hyderabad alleging dumping of Paracetamol originating in or exported from China and Taiwan.
  - ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter considered as properly documented.
  - iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate investigations against alleged dumping of imports of Paracetamol originating in or exported from China and Taiwan. The Authority notified the Embassies of the subject countries about the receipt of dumping allegation before

proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules.

- iv) The Authority issued a Public Notice dated 30<sup>th</sup> January 2001, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of Paracetamol classified under customs sub-heading no. 2922.2914 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from China and Taiwan.
- v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioner) of Paracetamol and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter.
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Paracetamol.
- viii) The Authority provided copies of the non-confidential Petition to the known exporters in accordance with Rule 6(3) supra.
- ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in China and Taiwan in accordance with Rule 6(4):

#### **China**

- Wenzhou Pharmaceutical Factory,  
Room No. 504, 5/F Kangle Building,  
No: 112 MA Anchi Road (West),  
Zhejiang Province.
- Huzhou Beigang Enterprises Group Corp.  
4<sup>th</sup> Floor, Wuxie Building, South Street,

### Huzhou, Zhejiang.

- Wuxie Zhong Che Pharma,  
150, Tong Hui Road (West),  
Wuxi, Jiangsu Province.
- Weifang No: 4 Pharmaceutical Factory,  
Xiadheya, Anqio City,  
Shandong Province.
- Anhui Huainan No: 3 Pharm,  
Tiantong Road, Tianjiaan,  
District Hunan, Anhui Province.
- Changshu Huagang,  
Yaluji South, Changshu City,  
Jiangsu Province.

### Taiwan

- Long Lwang Chemical Company Ltd.,  
P.O. Box 1494,  
Kaohsiung.
- Joint Union Enterprises Company Ltd.,  
201-28, Tun Hwa North Road,  
Taipai 10591.

The exporters did not respond to the questionnaire.

The Embassy of China and the Taipei Economic and Cultural Centre were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the name and addresses of the exporters.

- x) A questionnaire was sent to the following known importers/users of Paracetamol calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

- M/s Bafra Pharmaceuticals,  
Chennai
- M/s Fourts (India) Labs Pvt.  
Kelambakkam,  
Tamilnadu
- M/s Medo Pharma,  
Chennai
- M/s Bal Pharma Ltd.,  
Bangalore
- M/s Bangalore Pharmaceuticals & Research,  
Bangalore
- M/s Eros Pharma Ltd.,  
Bangalore
- M/s Kemwell Ltd.,  
Bangalore
- M/s Kerala State Drugs & Pharmaceuticals Ltd.,  
Kalavoor, Alappuzha
- M/s Medrich Sterilab Ltd.,  
Bangalore
- M/s Micro Labs Ltd.,  
Hosur
- M/s Smithkline Beechem Pharmaceuticals Ltd.,  
Mysore
- M/s Burroughs Wellcome (India) Ltd.,  
Mumbai
- M/S Concept Pharmaceuticals Ltd.,  
Aurangabad

- M/S Nicholas Pirmal India Ltd.,  
Dhar Dist
- M/S Petro Solv India Ltd.,  
Mumbai
- M/S Shalina Laboratories (P) Ltd.,  
Mumbai
- M/S Tridoss Lab Ltd.,  
Nanidhaman
- M/S Wockhardt Ltd.,  
Mumbai
- M/S P & G Hygine and H.C. Ltd.,  
Mumbai
- M/S S.G. Pharmaceuticals,  
Baroda
- M/S Wings Pharmaceuticals 9P) Ltd.,  
Delhi

No response was filed by the importers/user industry.

- xi) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) on the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiii) \*\*\* In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

- xiv) Investigations were carried out for the period 1<sup>st</sup> April, 1999 to 30<sup>th</sup> September, 2000 (18 months).

## **B. PETITIONERS VIEWS**

2. The petitioner has raised the following major issues in their petition and in their subsequent submissions:
- i) Paracetamol is an odorless white crystalline powder. Its chemical formula is  $C_8H_9NO_2$ . Paracetamol is a bulk pharmaceutical active ingredient, displaying analgesic and antipyretic properties. It is classified under custom sub- heading 2922.2914 of the Customs Tariff Act, 1975.
  - ii) Paracetamol can be produced by two production processes- by acetylation of paraminophenol (PAP) using acetic anhydride as acetylation agent and by applying "Backman transportation" to Hydroxy-4-acetophenone oxime. The exporters in China and Taiwan and Indian producers are producing the product through the first process, i.e., by acetylation of PAP.
  - iii) The producers-exporters in China PR and Taiwan have been exporting Paracetamol to India for quite sometime. However, dumping has intensified recently. The export price from the subject countries is continuously declining. Information compiled from secondary sources show that imports of Paracetamol are being reported under a number of other Customs sub-headings other than the one meant for the subject goods.
  - iv) There were more than 40-45 producers of Paracetamol in the country. However, a number of producers have either suspended their production or completely closed their operations relating to Paracetamol. The collective output of the four petitioners represent a major proportion of the production of Paracetamol in India. The petitioners therefore constitute domestic industry within the meaning of the rules.
  - v) There is no known significant difference in Paracetamol produced by the Indian industry and Paracetamol exported from China and Taiwan which can have an impact on price. Paracetamol produced

by the Indian industry and imported from the subject countries is comparable in terms of physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. Consumers have used the two interchangeably.

- vi) Some of the petitioners are exporting Paracetamol to a number of countries. M/s Srinivasa has exported to UK and Yemen in 99-00. (Prices Rs \*\*\*/kg and \*\*\*/kg respectively). Sri Krishna has exported to Mexico (98-99) and UK (99-00) . (Prices –Rs \*\*\*/kg and \*\*\*/kg respectively).

### **C. VIEWS OF IMPORTERS, EXPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

#### **3. Importers views**

None of the importers/users of the subject goods responded to the questionnaire forwarded by the Authority.

#### **4. Exporters Views**

##### **(A) China**

The exporters from China did not respond to the questionnaire forwarded by the Authority.

The exporters questionnaire and a copy of the non-confidential petition were forwarded on request to the China Chamber of Commerce of Medicines & Health Products Importers & Exporters, 8F, 12 Panjiayuan Nanli, Beijing-100021. However no response was received by the Authority.

##### **(B) Taiwan**

1. **Joint Union Enterprise Co., Ltd. Taipei**, in a letter to the Authority stated that Joint Union did not export Paracetamol to India during 1st April 1999 to 30<sup>th</sup> September 2000. They have requested for deletion of the company's name.

2. **Long Hwang Chemical Co. Ltd., Taiwan**



This exporter has stated that Long Hwang did export this item to India in 1999-2000. They have requested for deletion of the company's name from the anti-dumping investigations.

#### **D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED**

5. The submissions made by the petitioner and importers to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing upon the case, have been examined and dealt with at appropriate places hereunder.

#### **E. PRODUCT UNDER INVESTIGATION**

6. Paracetamol is an odorless white crystalline powder. Its chemical formula is  $C_8H_9NO_2$ . Paracetamol is a bulk pharmaceutical active ingredient, displaying analgesic and antipyretic properties. It is used in a number of Rx and OTC drug formulations in the form of powders, granules, injectibles and tablets. Paracetamol is an organic chemical and is classified under custom sub-heading 2922.2914 of the Customs Tariff Act, 1975.

#### **F. LIKE ARTICLES**

In order to establish that Paracetamol produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from China and Taiwan, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

The Authority also finds that there is no argument disputing that Paracetamol produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Paracetamol imported from the subject country both commercially and technically. Paracetamol produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from China and Taiwan within the meaning of Rule 2(d).

#### **G. DOMESTIC INDUSTRY**

The petition has been filed by alleging dumping of Paracetamol originating in or exported from China and Taiwan.

The production of Paracetamol by the petitioner has been as under:-

	1997-98	1998-99	1999-2000	POI
--	---------	---------	-----------	-----

Petitioners	55,79,642	61,50,329	66,89,579	100,39,757
Other producers	26,25,560	34,20,165	42,79,073	58,72,775
Total Indian production	82,05,202	95,70,494	109,68,652	159,12,532

The petitioners account for 63.09% of the total production in the POI. The Authority notes therefore that the petitioner constitutes “domestic industry” and has the required standing to file the present petition under the Rules.

## H. DUMPING

7. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject country in terms of section 9 A (1). However, the exporters did not respond with the information called for. Therefore there are no claims made by the exporters with regard to Normal Value and Export Price. The Authority has therefore been constrained to rely upon constructed price and best available information with regard to Normal Value and Export Price respectively.

## I. EXAMINATION OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE BASED ON CONSTRUCTED VALUE AND ON AVAILABLE INFORMATION WITH THE AUTHORITY

### (i) NORMAL VALUE

8. The Authority observes that the exporters from China and Taiwan have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers the exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

The petitioners have requested that the normal value in China and Taiwan be accepted on the basis of constructed cost of production of Paracetamol. In the circumstances the Authority has been constrained to determine the constructed cost.

The normal value in China and Taiwan is therefore considered to be USD \*\*\*/kg or Rs \*\*\*/kg at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 43.70.

(ii) **Export Price**

9. The cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs\*\*\* /kg for China and Rs \*\*\* /kg for Taiwan. The ex-factory export price has been determined after taking USD 0.05/kg as ocean freight (based on petitioner's information), 0.5% as marine insurance charges, commission @3% for the agent in the exporting countries, 2% for inland transportation and 2% for port handling and port charges as per the Indian experience. However, commission @3% for the Indian indenting agent as claimed by the petitioner is not allowed by the Authority for want of documentary evidence. After adjustments on these accounts the ex- factory fob' export price is estimated to be Rs \*\*\* /kg or USD \*\*\* /kg for China, and Rs \*\*\* /kg or USD \*\*\* /kg for Taiwan at an average exchange rate of Rs 43.70=1USD.

(iii) **Dumping margin****10. China**

Considering the constructed normal value at USD \*\*\* /kg and the ex-works export price at USD \*\*\* /kg, the dumping margin determined by the Authority comes to USD \*\*\* /kg (which is 47.3% of export price).

**Taiwan**

Considering the constructed normal value at USD \*\*\* /kg and the ex-works export price at USD \*\*\* /kg, the dumping margin determined by the Authority comes to USD \*\*\* /kg (which is 50.3 % of export price).

**J. INJURY**

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

(a) **Quantum of Imports**

Quantity (kg.)

Countries	1997-98 (as per DGCIS)	1998-99 (as per DGCIS)	1999-2000 (as per DGCIS)	Apr-Sep'00 (as per Chemical Intl.)	Apr'99- Sep'2000 (18 months)
Total imports	887,958	11,61,630	11,68,071	6,56,230 (annl. 13,12,460)	18,24,301
China	631,943	9,11,390	7,81,914	5,80,130 (annl. 11,60,260)	13,62,044
Taiwan	24,559	---	84,300	---	84,300

The increase in the total imports of Paracetamol was 30.8% in 1998-99 over that of 1997-98. Imports increased marginally in 1999-2000 over 1998-99 and significantly by 12.36% in Apr-Sep'00 (annualised) over 1999-2000.

The quantum of imports from China went up by 23.7% in 1998-99 over 1997-98. Imports in 98-99 were largely from China. Imports increased significantly by 48.3% in Apr-Sep'00 (annualised) over 1999-2000. The share of China in total imports was 71%, 78.4%, 66.9%, 88.4% and 74.66% in 97-98, 98-99, 1999-2000 and the POI respectively.

The quantum of imports from Taiwan went up by 243% in 1999-2000 over 1997-98. The share of Taiwan in total imports was 2.7%, 7.2% and 4.6% in 97-98, 1999-2000 and the POI respectively.

#### (b) Production and Capacity Utilisation

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	1997-98	1998-99	1999-2000	POI (18 months)
Installed Capacity (MT)	92,00,000	104,00,000	104,00,000	156,00,000
Production (MT)	55,79,642	61,50,329	66,89,579	100,39,757 (annl. 66,93,171)
Capacity Utilisation <sup>o</sup>	60.65	59.14	64.32	64.35

(c) **Sales and Market Share**

	1997-98	1998-99	1999-2000	POI
Sales (kg) of petitioners	55,68,952	62,29,140	66,49,438	98,53,747
Sales (other producers)	25,15,260	33,63,630	47,29,896	62,20,846
Demand	89,72,170	107,54,400	125,47,405	160,74,593
Share of imports%	9.8	10.8	9.3	11.3
Share of dumped imports %	7.3	8.4	6.9	8.9
Share of petitioner %	62.06	57.9	52.9	61.3
Share of Production volume%	62.18	57.18	53.31	62.4

It is seen that total and dumped imports have increased in absolute terms. The market share of imports from the subject countries have also increased in terms of production and consumption in India. The share of the domestic industry has declined in demand as also compared to their production volumes. The Authority notes that while demand has increased by 19.4%, production of the domestic industry has increased by 19.95% which shows that domestic industry can meet the requirements of demand. However, dumped imports from the subject countries have increased by 47%, while sales of the domestic industry have increased only by 17.96% which shows that domestic industry has not been able to increase their sales in the face of significant increase in dumped import volumes.

(d) **Price undercutting and price depression**

Rs/kg

Year	Sales Realisation	Landed Price of Imports		
		China	Taiwan	Others
1997-98	***	158.7	154.4	161.46
1998-99	***	170.3	---	175.8
1999-2000	***	143.62	138.7	163
POI	***	141.6	138.8	165.23

It is evident from the above table that the exporters have been consistently reducing their prices that reduced significantly in 1999-2000 and in the POI. The landed prices have also varied considerably with the lowest ranging between Rs 98.63/kg and Rs 130.8/kg during January-February and April-May 2000. The domestic industry has been forced to reduce its selling prices consistently and respond to the lowest import prices in the market. The petitioners have claimed that the exporters are offering the material at much higher credit which has forced the domestic industry to reduce its prices further in spite of which it has continued to lose market share.

**(e) Profitability:-**

The domestic industry has been forced to reduce its selling prices below its cost of production, resulting in substantial financial losses. The profitability of the domestic industry has declined significantly as evident from the per unit profit/loss made by the industry from sales in the domestic markets. Some of the companies have been forced to a situation of losses from a situation of profits.

Petitioners	1997-98	1998-99	1999-2000	(POI)
<b>Triton</b>				
COP	---	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***
P/L	---	0.84	5.41	(14.22)
<b>Srinivasa Agro</b>				
COP	---	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***
P/L	---	(12.79)	(23.84)	(22.17)
<b>Vamsi Labs</b>				
COP	---	***	***	***
Selling Price	***	***	***	***
P/L	---	(5.27)	2.38	1.82
<b>Sri Krishna</b>				
COP	---	***	***	***
Selling Price	**	***	***	***
P/L	-	15.67	3.55	2.13

**K. CONCLUSION ON INJURY**

11. In view of the foregoing it is observed that:-

- (a) the quantum of imports from the subject countries have increased in absolute terms and in relation to production and consumption in India;
- (b) the market share of the petitioner has gone down while that of imports has increased;
- (c) the petitioners have been forced to sell at prices below their fair selling price resulting in losses;
- (d) imports have undercut the prices of the domestic industry.

**L. CAUSAL LINK**

12. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject countries that are major exporters of Paracetamol to India. The increase in the market share of imports from China and Taiwan resulted in the decline in the market share of the petitioner. Dumped imports from the subject countries increased by 47%, while sales of the domestic industry increased only by 17.96% which shows that domestic industry has not been able to increase their sales in the face of significant increase in dumped import volumes. Hence the dumped imports have had volume effect on the domestic industry. In examining the price effect, the Authority notes that import prices from the subject countries have undercut the prices of the domestic product forcing the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject countries.

**M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES**

13. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

14. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the

Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Paracetamol. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

15. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of Paracetamol in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the domestic industry.

#### **N. LANDED VALUE**

16. The landed value of imports is determined on the basis of export price of Paracetamol determined as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one per cent landing charges.

#### **O. CONCLUSIONS**

17. It is seen after considering the foregoing that:

(a) Paracetamol described under para 6 originating in or exported from China and Taiwan has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered injury;

(c) injury has been caused by imports from the subject countries.

18. It was decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied, would remove the injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on Paracetamol originating in or exported from China and Taiwan, falling



under customs sub-heading no. 2922.2914 of the Customs Tariff Act, pending final determination. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in Col.3 and the landed value of imports.

Country 1.	Name of the producer/exporter 2.	Amount 3. (USD/kg)
CHINA	All producers/exporters	3.26
TAIWAN	All producers/exporters	3.26

19. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

#### **P. FURTHER PROCEDURE**

20. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days of the despatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions.
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

